SAFALTA CLASS™

An Initiative by अमर उजाला

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

HISTORY BY-
SUJEET BAJPAI SIR

Question No: 1

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

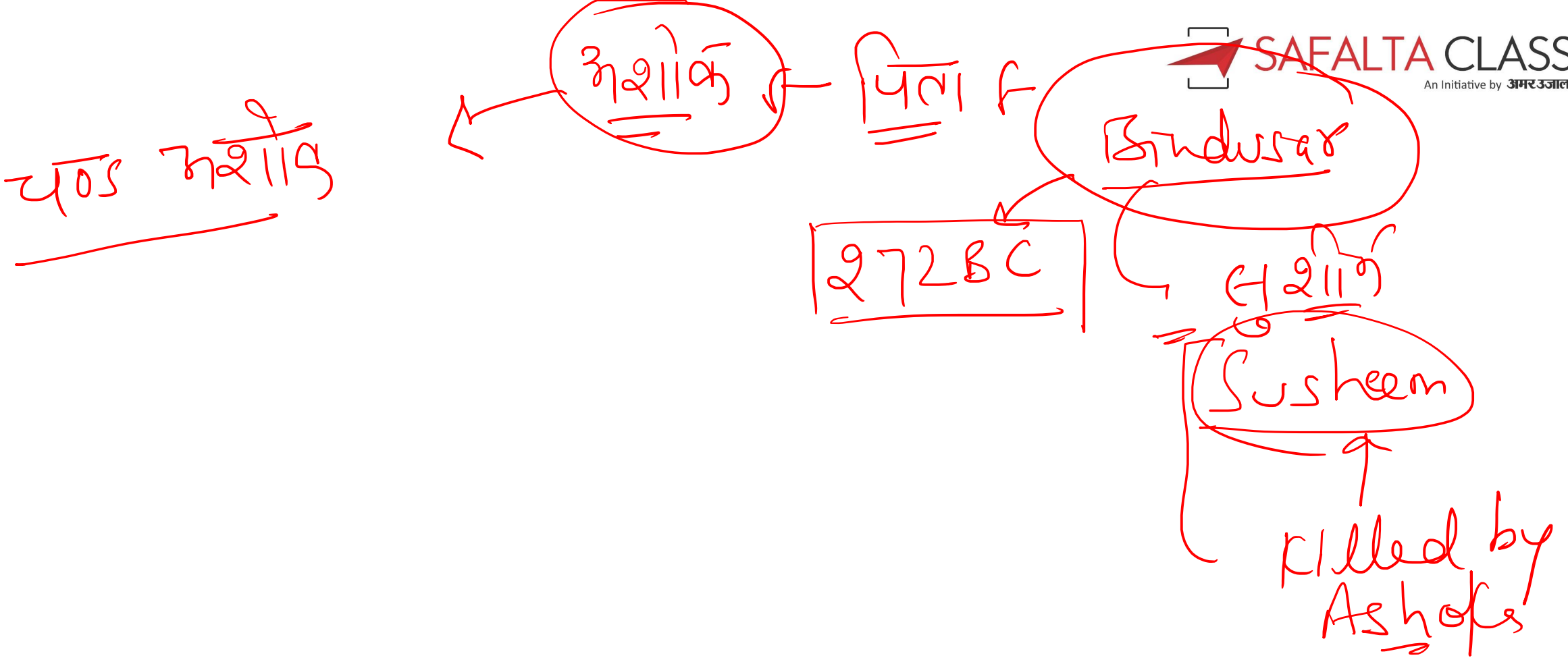

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

चण्ड अशोक ← अशोक ← पिता → Bindusar

Bindusar → 272 BC

Bindusar → सुशीम (Susheem)

Susheem ← Killed by Ashok

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

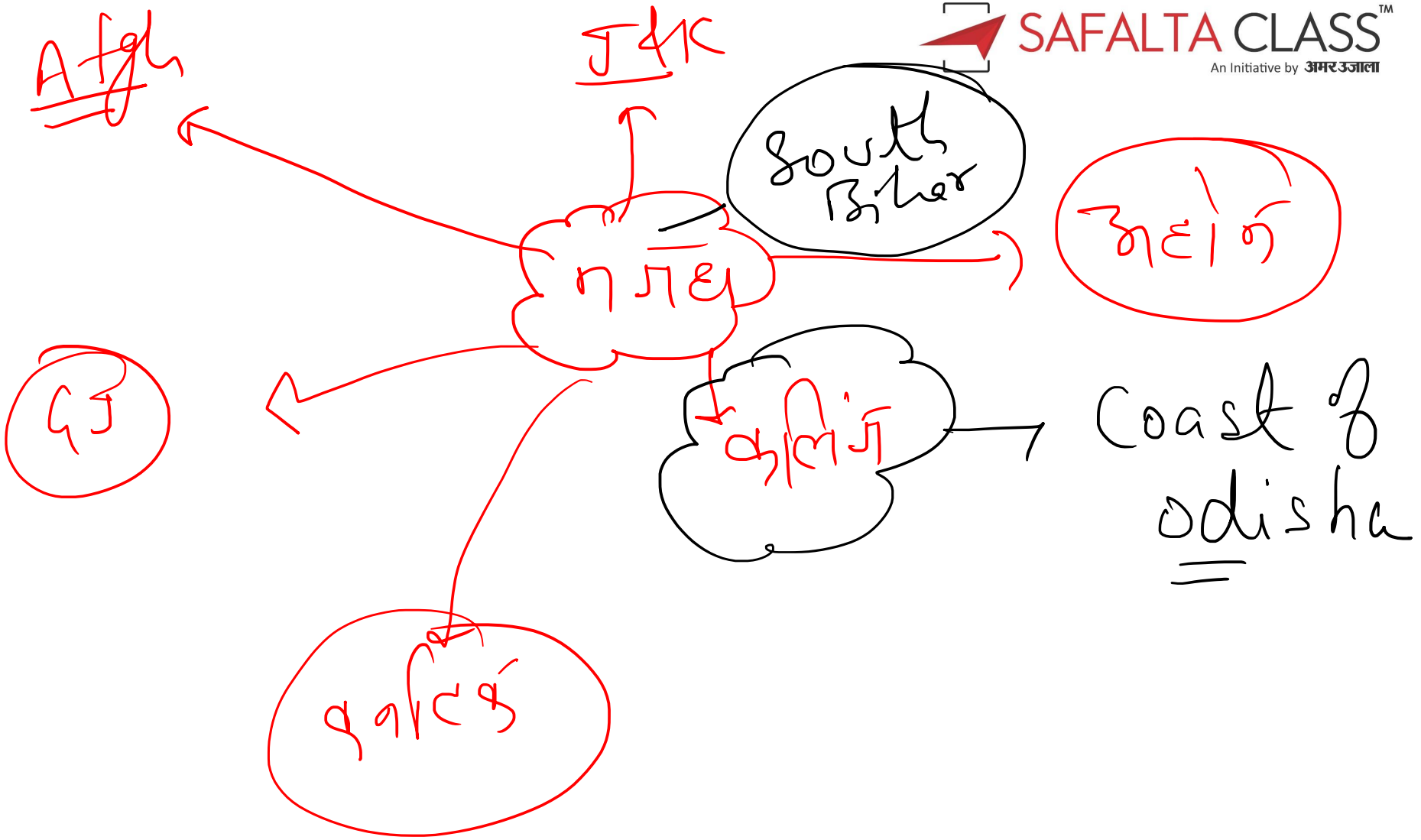

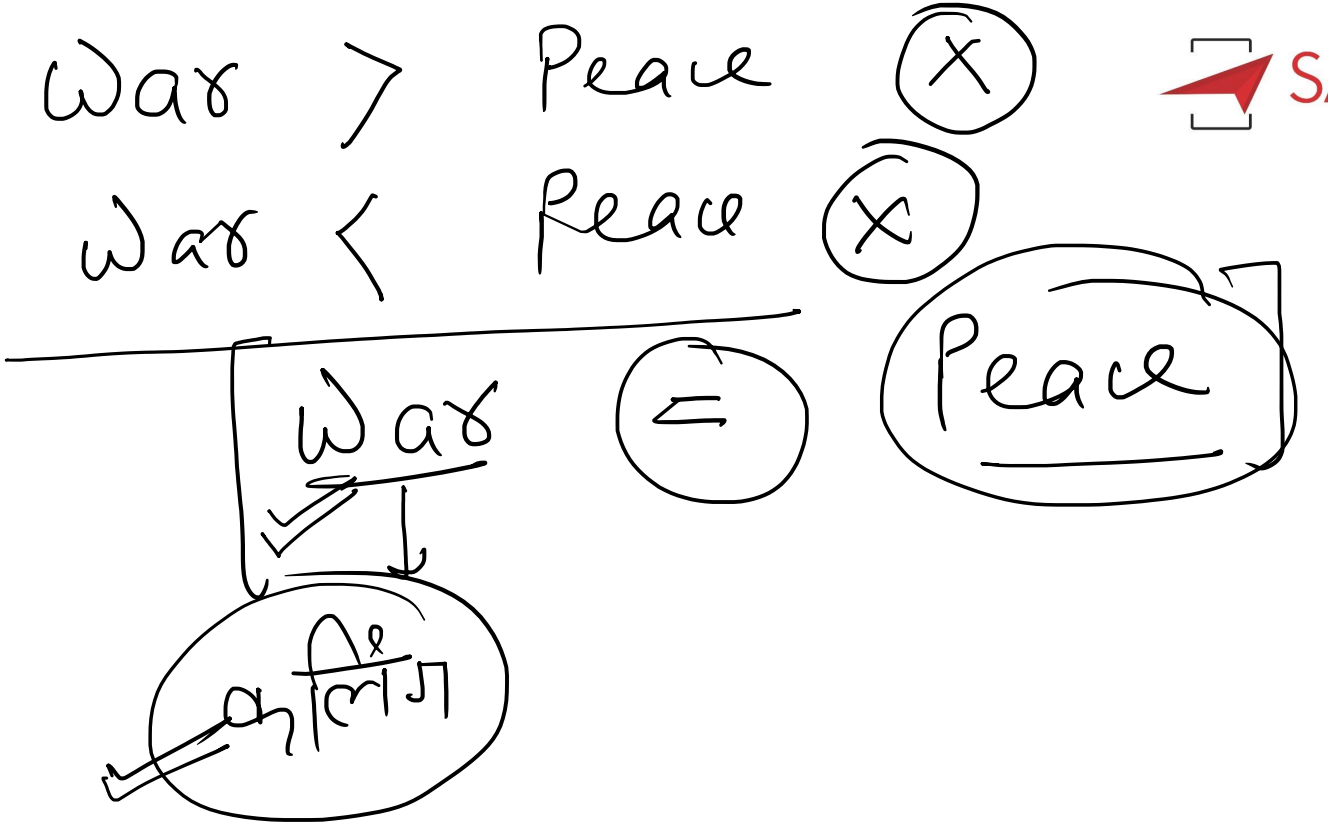

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

War > Peace (X)

War < Peace (X)

War = Peace

कलिंग

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

अशोक

★ इसका आधिकारिक नाम देवनांप्रिय था |

★ इसका नाम अशोक मास्की और गुर्जरा के अभिलेख से प्राप्त हुआ था |

★ अशोक ने कलिंग पर 261 B.C. में आक्रमण किया था और इसकी जानकारी 13वें शिलालेख से मिलती है | → location = तोसली (odisha)

★ अशोक ने उपगुप्त(मोगलीपुत्त) के द्वारा बौद्ध धर्म को स्वीकार किया था |

- His official name was *Devnampriya*.
- He is real name Ashoka was found from the inscription of Maski and Gurjara.
- Ashoka had invaded Kalinga in 261 B.C. and is known by the 13th inscription.
- Ashoka had accepted Buddhism through Upgupta (Mogaliputta).

★ अशोक अपनी पत्नी कौरवकी से प्रभावित था |

★ अशोक ने लुम्बिनी की यात्रा की थी और नेपाल में बौद्ध धर्म आरंभ किया था|

★ अशोक के चौथे अभिलेख से धम्म की जानकारी प्राप्त होती है |

★ तीसरी बौद्ध संगीति(251B.C.) अशोक के समय में हुयी थी। (पाटलीपुत्र)

- Ashok was influenced by his wife Kaurvaki.
- Ashoka had travelled to Lumbini and started Buddhism in Nepal.
- The fourth inscription of Ashoka gives information about his Dhamma.
- The third Buddhist council (251B.C.) was held in Ashoka's time. (Patliputra)

- अशोक ने अपने अभिलेखों में ब्राह्मी, खरोष्ठी, ग्रीक, अरामाइक लिपियों का प्रयोग कराया था |
- अशोक के अभिलेखों को पढने वाला प्रथम व्यक्ति जेम्स प्रिन्सेप था |
- अशोक ने साँची(M.P.) और सारनाथ(U.P.) में स्तम्भ अभिलेखों का निर्माण करवाया था |
- अशोक ने अपनी पुत्री संघमित्रा और पुत्र महेंद्र को बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए श्रीलंका भेजा था|

- Ashoka used Brahmi, Kharothi, Greek, Aramaic scripts in his inscriptions.
- The first person to read Ashoka's inscriptions was James Princep.
- Ashoka had constructed pillar inscriptions at Sanchi (M.P.) and Sarnath (U.P.).
- Ashok had sent his daughter Sanghamitra and son Mahendra to Sri Lanka to spread Buddhism.

★ मौर्य वंश के अंतिम शासक ब्रहद्रथ की हत्या उसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने की थी |

★ Brahadratha, the last ruler of the Mauryan dynasty, was murdered by his army chief Pushyamitra Shung.

* Ashoka → Repaired → Lake [Sudarshan (Girnar)]

Govern पुष्यगुप्त] ←

* Sri Nagar (J&K) → founded by Ashoka

* (Ajivak) Caves < Ashok (P) Dashrath, (grand son)

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

Vrihdratha

↳ Western Border

Attack

उत्तर मौर्य काल

विदेशी हमले:

1) हिन्द यूनानी

2) शक या सीथियन

3) पार्थीयन या पहलव

4) कुषाण

Post Mauryan Period

Foreign attacks:

1) Indo Greek
2) Shaka or Scythian
3) Parthian or Pahalava
4) Kushan

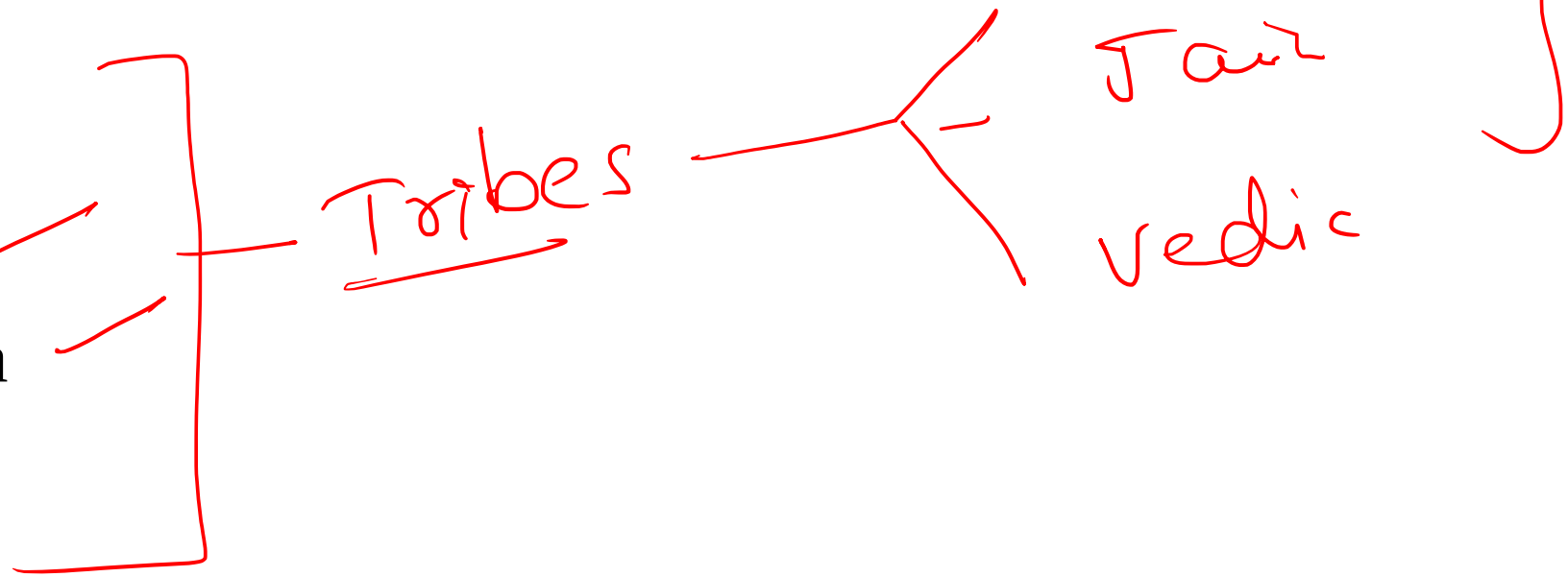

हिन्द-यूनानी

★इस वंश का प्रसिद्ध शासक मिनांडर(मिलिंद) था|

★राजधानी- Sakal(Siyalkot)

★मिनांडर ने नागसेन के द्वारा बौद्ध धर्म को स्वीकार किया था |

★The famous ruler of this dynasty was Minander (Milind).

★Capital - Sakal(Siyalkot)

★Minader had accepted Buddhism by Nagsen.

- ★ नागसेन ने मिलिन्द्पन्हो नामक एक पुस्तक लिखी थी |
- ★ हिन्द-यूनानियों ने भारत में गांधार कला को आरम्भ किया था |
- ★ गांधार कला को हिंदी-यूनानी कला भी कहते हैं|
- ★ Nagsen wrote a book called Milindpanho.
- ★ The Indo-Greeks started Gandhar art in India.
- ★ Gandhar art is also called Indo-Greek art.

★Note:

★हिन्द-यूनानियों ने भारत में सोने के सिक्के आरम्भ करवाए थे |

★सर्वाधिक शुद्धता वाले सोने के सिक्के कुषाण राजाओं ने चलाये थे |

★सर्वाधिक संख्या में सोने के सिक्के गुप्त राजाओं ने चलवाए थे।

★The Indo-Greeks had introduced gold coins in India.

★The purest gold coins were issue by the Kushan kings.

★The highest number of gold coins were issued by the Gupt kings.

शक

★इस वंश का प्रसिद्ध शासक- रुद्रदमन प्रथम था |

★इसने सुदर्शन झील की मरम्मत करवाई थी |

★इसने जूनागढ़ अभिलेख का निर्माण करवाया था |

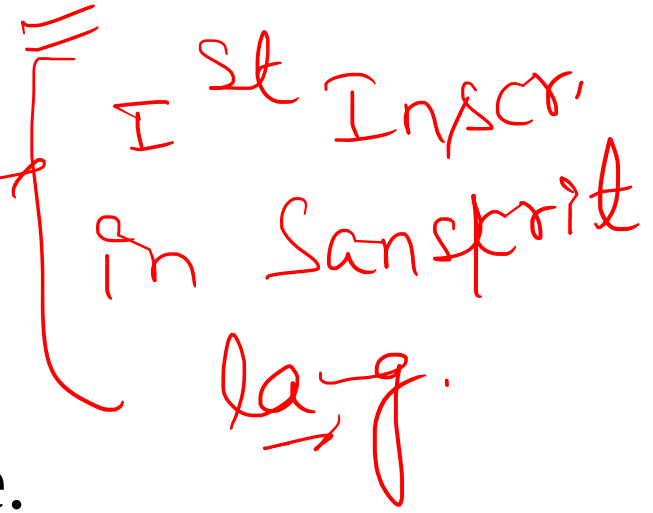

★Rudradaman was the first famous ruler of this lineage.

★He had repaired Sudarshan Lake.

★He constructed Junagarh inscription.

कुषाण

★इस वंश का प्रसिद्ध शासक कनिष्क था |

★कनिष्क ने 78 A.D. में शक सम्वत को आरंभ किया था |

★कनिष्क को दूसरा अशोक भी कहते हैं |

★राजधानियाँ - पुरुषपुर(पेशावर) & मथुरा

★कनिष्क ने चीन के साथ रेशम मार्ग को आरम्भ किया था|

Kushan

- The famous ruler of this lineage was Kanishk.
- Kanishk started Saka Samvat in 78 A.D.
- Kanishk is also called the second Ashoka.
- Capitals - Purushpur (Peshawar) & Mathura.
- Kanishk started the Silk Road with China.

(Trade Route)

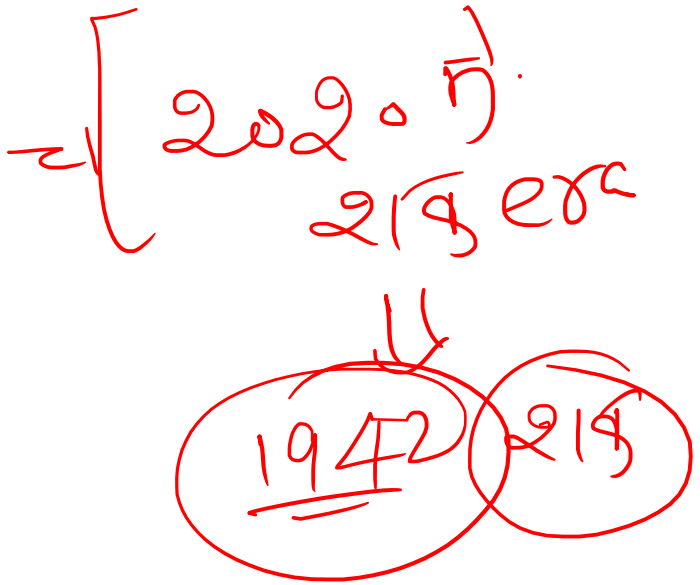

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

U-Chi - Tribe

चीनी Origin

★ चौथी बौद्ध संगीति कनिष्क के समय में हुयी थी |

★ कनिष्क की उपाधि "देवपुत्र" थी |

★ मथुरा संग्रहालय का सम्बन्ध कुषाण काल से है|

★ The fourth Buddhist council was held in the time of Kanishk.

★ Kanishk's title was "Devputra".

★ The Mathura Museum has been associated with the Kushan period.

★कनिष्क के दरबारी :

(i)चरक एवं वसुमित्र (बौद्ध विद्वान)।

(ii) अश्वघोष- इन्होने बुद्धचरित नामक पुस्तक लिखी थी।

(iii) नागार्जुन- इन्होने शून्यवाद का सिद्धांत दिया था | नागार्जुन को भारत का आइन्स्टीन कहा जाता है |

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

The courtiers of Kanishk:

(i)Charak and Vasumitra (Buddhist scholar).

(ii) Ashwaghosh- He wrote a book titled "Buddhacharit".

(iii) Nagarjuna- He gave the principle of Zeroism. Nagarjuna is called the Einstein of India.

गुप्त साम्राज्य

★ संस्थापक- श्रीगुप्त

★ प्रसिद्ध शासक – चन्द्रगुप्त प्रथम

★ चन्द्रगुप्त प्रथम ने 319 A.D. में गुप्त सम्वत का आरम्भ किया था|

★ इसने लिच्छवी राजकुमारी कुमार देवी से विवाह किया था |

Gupt Empire

- Founder- Srigupta
- Famous Ruler – Chandragupta-1st
- Chandragupta -1st started Gupta Samvat in 319 A.D.
- He married with Lichchvi Princess Kumar Devi.

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

समुद्रगुप्त

★इसे भारत का नेपोलियन कहा जाता है|

★ये गुप्त वंश का पहला शासक था जिसने दक्षिण भारत को जीता था|

★Title- 1. कविराज 2. परक्रमांक 3. लिच्छवीदौहित्र (लिच्छवी माता का पुत्र)

4. अश्वमेध यज्ञ कर्ता

SamudraGupta

- It is called Napoleon of India.
- It was the first ruler of the Gupta dynasty who won South India.
- Titles- 1. Kaviraj
  2. Parkramank
  3. Lichchvidauhitra (Son of Lichchavi Mother)
  4. Ashvamedha yajna karta

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

- इसने प्रयाग प्रशस्ति का निर्माण करवाया था |
- इस प्रशस्ति की रचना हरिषेण ने की थी |
- समुद्रगुप्त को परमभागवत भी कहते थे |

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

- He constructed Prayag Commendation.
- This commendation was composed by Harishen.
- Samudragupta was also called Parambhagwat.